

बच्चों राष्ट्रनिर्माण के असली दूत हैं : हरि नारायण

र में
क
वित्त
सभी
हरने
के
ऐसे
मद
वे
न्द
व
के
का



जैतहरी(संतोष गुप्ता)। हिंदुस्तान पावर परिसर स्थित बाल भारती स्कूल का वार्षिक समारोह देश की विविधापूर्ण समृद्ध संस्कृति को समर्पित रहा। माहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भरपूर इस रंगारंग कार्यक्रम में अमरकंटक जलजातीय विश्वविद्यालय के डीन डा. एन.एस. हरि नारायण मूर्ति ने मुख्य अतिथि की हैसियत से भाग लिया।

रंगारंग समारोह में बच्चों ने जीवंत प्रस्तुतियों से महामानों का मन मोह लिया। 'संस्कृति-दृष्टि' नामक काल्पनिक नामक इस समारोह के मंच पर भारत की विविधापूर्ण लोक संस्कृति की

दिलकश छटाएं कौंधती रहीं। नन्हें-मुन्हें बच्चों की प्रस्तुति 'टिबकलिंग स्टारस' ने चंदा मामा से बच्चों के काल्पनिक सवाद की छवि उभारने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वहीं, कोंकण तट के मछुआरों की उल्लासमय जिंदगी की छवियों से लैस कोली डांस ने भी खूब मंत्रमुग्ध किया। बसंत ऋतु के आगमन की संवेदना को समेटे मलयालम डांस, नटराज कन्हैया की रोमांचक लीलाओं पर केंद्रित रासलता, बेटा बच्चा संदेश से भरपूर 'सेव गॉड साइन्ड डांस', संतुलन और समन्वय से भरपूर स्टेप टू स्टेप रॉक्स, बांग्ला संस्कृति पर केंद्रित बंगाली डांस और बुंदेलखंड के अहीर समुदाय की जिंदगी

पर केंद्रित अहीर डांस आदि ने समारोह को यादगार बना दिया। मगध साम्राज्य के उदय में शिक्षक और महान दार्शनिक चाणक्य की भूमिका पर आधारित अंग्रेजी स्किट एन इनसल्ट टैट क्रियेटेड एन एपायर और एक मध्यवर्गीय कलाकार के संघर्ष पर केंद्रित स्किट संघर्ष को जोरदार सराहना मिली।

इस मौके पर हरि नारायण मूर्ति ने कहा, "बच्चों राष्ट्रनिर्माण के असली दूत हैं और विद्यालय इस निर्माण की नर्सरी है। मुझे खुशी है कि बाल भारती बच्चों का संपूर्ण विकास कर शिक्षा क्षेत्र में प्रेरक कार्य कर रहा है।"

आचार्यजी एन.एस. हरि नारायण सोसायटी जबलपुर की भद्रा महिला फादर जोस एंटीनी और हिंदुस्तान पावर के परिचालन एवं रखरखाव प्रमुख विल्लु मामीदीपति ने भी विचार-विमर्श की हैसियत से बाल भारती की उपस्थिति को सराहा। इस मौके पर एक विद्यार्थियों को पुरस्कार वित्त करके जिन्होंने स्कीट और स्टेप-डांस का प्रति प्रदर्शनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्रशंसक शौच बढ़ाया है। समारोह के इस अवसर पर प्रिंसिपल गुप्ता ने समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन के प्रति अभिनंदन व्यक्त किया। इस खूबसूरत शाम का समापन सफल रूप से हुआ।